APPendix

परिशिष्ट

सहायक ग्रंथों की सूची

(अ) हिन्दी-ग्रंथ

(१) " आचार्य श्री विजय वल्लभसूरि स्मारक ग्रंथ " सं० अगरचन्द नाहटा, महावीर जैन विद्यालय, बम्बई ।

(२) " केशव का आचार्यत्व ", डॉ० विजयपालसिंह,

(३) " केशव ग्रंथावली ", सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद ।

(४) "गुजरात के कवियों की हिन्दी काव्य-साहित्य को देन ", ले०डॉ० नटवरलाल अम्बालाल व्यास, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा ।

(५) "गोरख बानी "(जोगेसुरी बानी), भाग १, सं० डॉ० पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल,

(६) " चिंतामणि ", भा०१, रामचन्द्र शुक्ल, इण्डियन प्रेस प्रा० लि०, प्रयाग ।

(७) " जायसी-ग्रन्थावली " सं० रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

(८) " देव और उनकी कविता " (तृतीय संस्करण), डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

(९) " पार्वती-मंगल ", तुलसीदास,

(१०) " बिहारी ", सं० बिश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी ।

(११) " मातखण्डे संगीतशास्त्र " भा० ३, पंडित विष्णु नारायण मातखण्डे संगीत कार्यालय, हाथरस ।

(१२) " भारतीय संगीत का इतिहास ", ले० उमेश जोशी, मानसरोवर महल, फ़िरोज़ाबाद ।

(१३) "भारतीय साहित्य और संस्कृति ", डॉ० मदनगोपाल गुप्त, कला प्रकाशन, दिल्ली ।

(१४) " भुज (कच्छ) की ब्रजभाषा पाठशाला ", १९६३, ले० डॉ० कुँअर चन्द्र प्रकाशसिंह, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा ।

(१५) " मध्यकालीन हिन्दी काव्य में भारतीय संस्कृति ", ले० डॉ० मदन-गोपाल गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

(१६) " मारीफुन्नग़मात ", राजा नवाब अलीखाँ, संगीत कार्यालय, हाथरस ।

(१७) " मिश्रबंधु-विनोद ", मिश्रबंधु, भाग १ और ३, (तृतीय आवृत्ति), गंगा पुस्तक माला, लखनऊ ।

(१८) " मुँहणोत नैणसी की ख्यात ", ले० गौरीशंकर हीराचंद ओझा, अनु० रामनारायण दूगड़, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

(१९) " राजस्थानी सब्द कोस ", प्रथम खण्ड, सं० सीताराम लालस, राजस्थानी शोध संस्थान, जोधपुर (राजस्थान)

(२०) " राजस्थान में हिंदी के हस्तलिखित ग्रंथों की खोज ", भाग २ और ४, उदयपुर विद्यापीठ सरस्वती मंदिर, प्राचीन साहित्य-शोध संस्थान, उदयपुर ।

(२१) " रामचरित मानस ", तुलसीदास, स गीता प्रेस, गोरखपुर (१४ वाँ संस्करण)

(२२) " रीतिकाव्य", डॉ० जगदीश गुप्त, प्रथम संस्करण, वसुमती, ३८, ज़ीरो रोड, इलाहाबाद-३ ।

(२३) " रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना ", डॉ० बच्चनसिंह, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

(२४) " रीतिकाव्य की भूमिका "(तृतीय संस्करण), डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

(२५) " रीतिकाल के प्रमुख प्रबंधकाव्य ", डॉ० इन्द्रपालसिंह "इन्द्र ", विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, प्रथम संस्करण, १९६५ ।

(२६) " ब्रजभाषा व्याकरण ", डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, रामानारायण लाल, इलाहाबाद ।

(२७) " ब्रजभाषा साहित्य का नायिका-भेद, (द्वितीय संस्करण), प्रभुदयाल मीत्तल, प्रकाशक : अग्रवाल प्रेस, मथुरा ।

(२८) " संगीत-दर्पण ", पंडित दामोदर मिश्र, संगीत कार्यालय, हाथरस ।

(२९) " संगीतज्ञ कवियों की हिन्दी रचनाएँ ", सं० नर्मदेश्वर चतुर्वेदी

(३०) " साहित्यालोचन ", डॉ० श्यामसुंदरदास, १४ वाँ संस्करण, इण्डियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग ।

(३१) " शृंगार-मंजरी ", सं० डॉ० भगीरथ मिश्र, लखनऊ वि०वि० प्रकाशन, लखनऊ ।

(३२) " हिंदी साहित्य का अतीत " (शृंगारकाल), विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणीवितान, वाराणसी ।

(३३) " हिंदी साहित्य का इतिहास ", रामचन्द्र शुक्ल, काशीनागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

(३४) " हिंदी साहित्य कोश ", प्रथम भाग, सं० धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञान मण्डल लिमिटेड, वाराणसी ।

(३५) " हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, षष्ठ भाग, सं० डॉ० नगेन्द्र, प्रथम संस्करण, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

(३६) " हिंदी-रीति-साहित्य ", (द्वितीय संस्करण), डॉ० भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन ।

(३७) " हिंदी काव्य-शास्त्र का इतिहास " (द्वितीय संस्करण), डॉ० भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय प्रकाशन, लखनऊ ।

(३८) " हिंदी शिवकाव्य का उद्भव और विकास ", लें० डॉ० रामगोपाल शर्मा " दिनेश "

(आ) संस्कृत-ग्रंथ (हिंदी संस्करण)

(१) " कुवलयानन्द ", लें० अप्पय दिक्षित, सं० डॉ० भोलाशंकर व्यास ।

(२) " भरत नाट्य शास्त्र ", भरत मुनि

(३) " मत्स्य पुराण "

(४) " रसमंजरी ", भानुदत्त मिश्र, सं० , बद्रीनाथ शर्मा

(५) " संगीत रत्नाकर " वाल्यूम १, शार्ंगदेव, सं० पंडित एस सुब्रह्मण्य शास्त्री,

(६) " श्री विष्णु पुराण "

(७) " श्रीमद्भागवत-महापुराण ", प्रथम खण्ड, सप्तम स्कंध ।

(८) हिन्दी-साहित्य-दर्पण, मू० लें० आचार्य विश्वनाथ सं०, सत्यव्रतसिंह, चौखम्बा विद्याभवन प्रकाशन, वाराणसी ।

(इ) गुजराती-ग्रंथ

(१) " कच्छ देशनो इतिहास ", ले० आत्माराम केशवजी द्विवेदी

(२) " कच्छनो बृहत् इतिहास ", ले० जयरामदास नयगांधी

(३) " कच्छ कलाधर ", ले० दुलेराय काराणी

(४) " कच्छना संतो अने कवियो ", ले० दुलेराय काराणी भाग १, २

(५) " कच्छनुं संस्कृति दर्शन ", ले० रामसिंह जी राठौड़

(६) " कच्छनुं गुजराती साहित्य", ले० रामसिंहजी राठौड़

(७) " कवीश्वर दलपतराम", भाग १, ३, ले० कवि न्हानालाल दलपतराम, भद्र, अहमदाबाद

(८) " गुजराती लोकसाहित्यमाळा ", मणका सं० १ से १६, सं० डॉ० मंजुलाल मजुमदार, गुजरात राज्य लोकसाहित्य समिति, राज्य शिक्षा भवन, रायखड, अहमदाबाद

(९) " गुजरात दर्शन ", भरतराम भानुसुखराम मेहता लिखित लेख " कच्छ दर्शन ", चेतन प्रकाशन, वड़ौदा ।

(१०) " गुजरात सर्वसंग्रह ", ले० कवि नर्मदाशंकर लालशंकर सन् १८८७

(११) " जाड़ेजानो इतिहास ", ले० कवि मावदान जी बी० रत्नूं अथवा " यदुवंश प्रकाश "

(१२) " पुरातन ज्योत ", ले० मनवेरचन्द लक्ष्मीचन्द मेघाणी

(१३) " रढियाळी रात ", भाग १, सं० मनवेरचन्द लक्ष्मीचन्द मेघाणी, गुर्जरग्रन्थ रत्न कार्यालय, अहमदाबाद

(१४) " वैष्णव धर्मनो इतिहास ", ले० डी० के० शास्त्री

(१५) " शाक्त सम्प्रदाय " ले० नर्मदाशंकर देवशंकर मेहता

(१६) " शैवधर्मनो इतिहास", ले० डी०के० शास्त्री

(१७) " संत मेकणदादा ", ले० मनवेरचन्द लक्ष्मीचन्द मेघाणी

(E) ENGLISH BOOKS

1. 'Aesthetics' by Benedeto Croce Macmillan and Company, 2nd Edition.

2. 'Annals and Antiquity of Rajasthan' by Colonel Tod.

3. 'Bombay Presidency Gazetteer', Vol. V., by James M. Campbell.

4. 'History of India', by Ishvari Prasad.

5. 'Historical Selections from Baroda State Records (1790-1798), Vol. III, 1936.

6. 'Rise and Fall of Moghul Empire', by R.P.Tripathi

7. 'Selections from the Records of the Bombay Government', No. XV, New Series, 1827.

(२) हस्तलिखित ग्रन्थ, ताम्रपत्र और शिलालेखों की सूची

(अ) विवेच्य कवि की हस्तलिखित रचनाएँ :

(१) " सुरतरंगिणी ", कवि लखपतिसिंह

(२) " रसतरंग ", कवि लखपतिसिंह

(३) " लखपति भक्ति विलास ", कवि लखपतिसिंह

(४) " सदा शिव ब्याह " , कवि लखपतिसिंह

(५) " मृदंग मोहरा ", कवि लखपतिसिंह

(६) " लखपतिसिंह के सवैया " (पुनटकल), कवि लखपतिसिंह

(आ) लखपत-दरबाराश्रित तथा " ब्रजभाषा काव्यशाला " के कवियों के हस्तलिखित ग्रंथ :

(१) " लखपतिमंजरी नाम माला ", आचार्य कनककुशल

(२) " सुंदर शृंगार की रसदीपिका भाषा टीका ", आचार्य कनक कुशल

(३) " लखपत मंजरी नाम माला ", आचार्य कुँवर कुशल

(४) " कवि रहस्य ", आचार्य कुँवर कुशल

(५) " लखपति स्वर्ग प्राप्ति समय ", आचार्य कुँवरकुशल

(६) " भट्टारक जीवन कुशल की अरजपत्रिका "

(७) " खेंगार जस ", जीवन कुशल

(८) " लखपति गुण पिंगल ", कवि हमीर दान रत्नू

(९) " हमीर नाम माला " कवि हमीरदान रत्नू

(१०) " गुण पिंगल प्रकास ", कवि हमीरदान रत्नू

(११) " जदुवंश वंशावली ", कवि हमीरदान रत्नू

(१२) " देसल जी री वचनिका ", कवि हमीरदान रत्नू

(इ) अन्य हस्तलिखित ग्रंथ :

(१) " हस्तलिखित संस्कृत वर्ष-फल-पत्रिका "

(२) " गौहडजी रो जस ", कवि जसराज

(३) " भाषा कवित्त के टुंक चरित्रो " कवि गोविंद गिल्लाभाई

(४) " सुंदर शृंगार " कवि सुंदरदास

(ई) ताम्रपत्र और शिलालेख :

(१) भुज नगर की चावड़ी पुलिस चौकी पर जड़ा हुआ ताम्रपत्र

(२) शिवरा मंडप, भुज का शिलालेख

(३) भुज के राजकीय स्मशान में स्थित " लखपत छतरडी " का शिलालेख

(ऊ) पत्र-पत्रिकाएँ :

(१) " कच्छ महोदय वा मानपत्रम् (संस्कृत)

(२) " कल्याण " ("संक्षिप्त शिवपुराणांक "), वर्ष-३६

(३) " गुजराती " साप्ताहिक, सन् १९११ दीपावली विशेषांक और ८ नवम्बर १९३६ । (गुजराती)

(४) " परम्परा ", सं० डॉ० नारायणसिंह भाटी, अंक ३-४, १९५६-५७

(५) " बुद्धि प्रकाश ", जुलाई सन् १८५८ ई० (गुजराती)

(६) " मरु भारती " वर्ष १, अंक ३, सितम्बर सन् १९५३

(७) " राजस्थानी " (त्रैमासिक), सन् १९४०

(८) " संगीत ", सितम्बर, १९६५, संगीत कार्यालय, हाथरस

(९) " सरस्वती ", ~~वर्ष~~ फरवरी, १९६२, सं० नारायण चतुर्वेदी

ooo